

x

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ॐ नमः शिवाय नमः ॥ श्री कृष्ण चर-इति तीर्थ-उत्तर-धिसानदिन-पौषपूर्णिमा
 सि-माद्यकृष्णचतुर्दशी-युजा-आयंस्तु जीत-वाय-रुकारकमाय-रुल-वृद्धरुथा नाम-
 सर्वपापमाचन-कृष्णनाम-सकलापार्यदक ॥ १ ॥ श्री लीमन्त्र-दवा-थ-थधुक् सिकादास
 धिसानदिन-माद्यकृष्ण-याद-चतुर्दशी-रुल-यायनास-वापात्रसिद्धि-गुरु ॥ २ ॥ श्री काशी-
 न-सर्वरुमीर्थ-उत्तर-नर्थ-दात्रखायापिदास-धिसानदिन-माद्यकृष्ण-या-सर्वपापना-
 स-सुखसंपत्ति-विव-रुल-धनवक्तृ-सर्ववास ॥ ३ ॥ श्री कथ्यप-व-कथ्यप-द-गीर्थ-महा-
 दवदहसदथ-सदा-दवप्री-स-धिसान-दिन-चतुर्दशी-आस्था-रु-मा-रुल-या-
 नास-सर्ववासनाक ॥ ७ ॥ श्री रुद्रि-व-कान्ति-गीर्थ-धन्वि-रु-स-धिसान-दिन-माद्यकृष्ण-७

आश्विनी पूर्णिमा-रु-अनु-कृष्ण-चतुर्दशी-रुल-यायनास-सर्ववास ॥ ८ ॥ श्री चतुर्वन्त्र-उत्तर-गीर्थ-
 लीमन्त्र-उत्तर-धिसानदिन-माद्यकृष्ण-यायनास-सर्ववास-रुल-सा-दात्र-दान-यादाया-
 य ॥ ९ ॥ श्री धन-व-युदा-गीर्थ-लाभ-यायनास-धिसान-दिन-चतुर्दशी-व-सर्ववास-
 १७ रुल-यायनास-धनसंपत्ति-रु-व-धमा-ध-रु-व-व-सर्ववास ॥ १० ॥ श्री बीक-
 ट-व-रु-गीर्थ-सदा-सदा-या-महा-दव-थ-सा-दिन-माद्यकृष्ण-२-सर्वपापनास-सा-का-
 दिदान-वियायाय-थ-सर्ववास ॥ ६ ॥ श्री-व-व-गीर्थ-चन-मिया-महा-दव-थ-सा-दि-
 न-अष्ट-पूर्णिमा-रुल-सर्वपापनास-अमरावती-वास-सा-कादिदान-वियायाय-थ ॥ ११ ॥ श्री-
 ल-व-गीर्थ-आस्था-ला-थ-सा-दिन-रुल-सर्वपापनास-तव-ला-न-न-व-क-ममा-
 रु-अनु-कृष्ण-सफमी १

कामनास सात्रकृद्दि दानवियायुध निवलाकवास ॥ २२ ॥ श्रीमन्मन्त्र (मगीर्थ क
 नस्तुत्रस (थस्त्रानदिन माघपु ६ रुल यापनास (मन्त्रदानय ॥ २३ ॥ ग्रीयलु
 कंथर रुद्रकमीर्थ यंइस (थस्त्रानदिन माघपु २ रुल सादो ॥ दानवियायुध यापनास नि
 वलाकवास ॥ २३ ॥ श्रीकृष्ण (मन्त्र मन्त्रगीर्थ यइने इ यन्त्रिमस यकासया क (थस्त्रानदिन माघ
 पु ८ माघपु १० रुल यापनास (मन्त्रदानय निवलाकवास ॥ २४ ॥ श्रीअग्निगन्धर्व (मन्त्र
 मगीर्थ अग्नयू (थस्त्रानदिन माघपु ३ नवमी द्वादशी रुल यापनास (मन्त्रदानय नि
 वलाकवास ॥ २५ ॥ श्रीरुद्रगन्धर्व रुद्रगीर्थ नवकाथेद (थस्त्रानदिन वैश्वकिष्ण १० मा
 सि रुल यापनास कामउरुमश्न निवलाकवास ॥ २६ ॥ श्रीवृद्धगन्धर्व वृद्धगीर्थ

आखारुगुरे रुद्रयागिनीयुजा जायमान रुलगुसिद्धि शर्म संपति राहदर याग्नीयायुदे सोमश्न
 ॥ २७ ॥ श्रीनारायण (मन्त्र कर्तुगीर्थ वनागुस ला मयया वास (थस्त्रानदिन रुद्रगुल १० माघपु १०
 ६ रुल स्वायम्भुव ददधुसद वलखगोदान स्वायम्भुव यकासगुन गाव यापनास नि
 वगनिवनिव ॥ २८ ॥ श्रीयागिर्लि (मन्त्र यागगीर्थ मकास (थस्त्रानदिन रुद्रगुल ३ वैशाखपु
 पूर्णिमा जायमान रुद्रजाग सवयाय नास निवलाकवास ॥ २९ ॥ श्रीवृद्धगन्धर्व वृद्धगीर्थ
 गीर्थ नारादवस मयाय (थस्त्रानदिन रुद्रगुल ३ वैशाखपु चतुर्दशी आखारुयुगुमा मखसंकानि रुल
 ददधुसधिय लखमान यापनास निवलाकवास ॥ ३० ॥ श्रीवागन्धर्व वागगीर्थ वागन्धर्व
 रस (थस्त्रानदिन मखसंकानि मखयुर्दिमा वाग्मीउत्थ नश्यान वागन्धर्व रस वाग्मीसिद्धि

पापनास निवलाक वास ॥ ३९ ॥ श्रीकीलेश्वर गीखदगीर्थ चतुस्रथ स्नानदिन हागुलु ३३
खादयुलुमासि ज्ञानायलय जा हागुलु ३४ हादसा यनाशयुजा कारिकगुले गीखदहस स्नान प्रावलयु
३५ कयायवमिस नागरुयनास गीउयायसाद विव विव दवीयायसाद कल्यद्वि निव विवुला
क दवीलाक वास वाक सर्वपापनास सादात्र १ दानयादा रुल ॥ ३६ ॥ श्रीवाल्मीकेश्वर वीरहडमदा
गीर्थ खाददास खादसधित्तादिन हागुलु ३७ वीषगुलु ३८ मावाल्मीकमृषीन गस्याया कोथस
यादान उत्पतिरु वील्मीकेश्वर रुक रुनुमानिन निरु पूजाया मलकानास यायरु ३९ गी
र्थ ज्ञानयादा रुल ॥ ४० ॥ गीगुनदानयादा रुल निवलाक वास ॥ ४१ ॥ श्रीमंगलेश्वर रुडनदिगीर्थ खादस
थ स्नानदिन हागुलु ४२ वीरहडमृषीमावासा रुल मंगलमृषीन उत्पतिरु गीया मंगलवनयाकनादवया
यनास निवलाक वास ॥ ४३ ॥ श्रीविमलेश्वर विमलादक गीर्थ सियादात्र ४४ स्नानदिन हागुलु ४५ मागु

सिद्धिश्चतुर्दशैतिरुल्लेखनामावादायायावनास निवर्तयनास निवर्तयकवास ॥३१॥ श्रीअनन्त
ध्वजसुचितीर्थअनालिङ्गस रुद्रुल्लेखना ॥३२॥ रादयेदक्षु ६ ध्वजसुचितीर्थस स्नानयादानद
नयादानदत्तयुजायादान अतिविश्वयम्प्रेत्रयवनशम्पर्वयापनास निवर्तयकवास ॥३३॥
श्रीध्वजसुचितीर्थकान्तुस ॥३४॥ स्नानदिन रुद्रुल्लेखना ॥३५॥ रुद्रुल्लेखना ॥३६॥ रुद्रुल्लेखना ॥३७॥
वद्विपर्वयापनास सद्यननिवर्तयकवास सियम्मान स्वर्गवाह ॥३८॥ श्रीध्वजसुचितीर्थस
गीर्णसामन्तिगस स्नानदिन कार्तिकेयु ११ रुद्रुल्लेखना ॥३९॥ रुद्रुल्लेखना ॥४०॥ रुद्रुल्लेखना ॥४१॥
स रुद्रुल्लेखना ॥४२॥ रुद्रुल्लेखना ॥४३॥ रुद्रुल्लेखना ॥४४॥ रुद्रुल्लेखना ॥४५॥ रुद्रुल्लेखना ॥४६॥ रुद्रुल्लेखना ॥४७॥
स्नानदिन रुद्रुल्लेखना ॥४८॥ रुद्रुल्लेखना ॥४९॥ रुद्रुल्लेखना ॥५०॥ रुद्रुल्लेखना ॥५१॥ रुद्रुल्लेखना ॥५२॥
यमानरुद्रुल्लेखना ॥५३॥ रुद्रुल्लेखना ॥५४॥ रुद्रुल्लेखना ॥५५॥ रुद्रुल्लेखना ॥५६॥ रुद्रुल्लेखना ॥५७॥ रुद्रुल्लेखना ॥५८॥ रुद्रुल्लेखना ॥५९॥ रुद्रुल्लेखना ॥६०॥

रुल कामधन्यामृतं ववगीर्थ स्नानकृतसुखानसहतीर्थ (अकारिदानवियायुध आसवा
 चगकदरुइ (थस्नायाकान काऊनमिहिया कार्ययनास नवक्षरागुयुक्तिदव रुलवाकामरु
 निम नूयवक स० व नूयतीर्थधनाधाय ॥ ७५ ॥ श्रीरुंजयव सिद्धिबसमरुगीर्थ कूय सल
 गुथिस (थस्नानदिन रुा दृष्टवउदनी वैभखयुमा रुल महादवयुजा दर्मन कर्मविषय
 हायुपालनयायनास अंगत निवलाकवास ॥ ७६ ॥ प्रादिलि (गन्धन सनिकुलीर्थ यवस वाका
 नूखास (थस्नादिन रुा गुलपुर्तुमासि रुल मयाया सर्वगुयायनास निवलाकवास ॥ ७७ ॥ श्रीक
 यम्वन उदकगुगीर्थ यवस कायकुत कावाहावयादवरा वरु नीर्थ इनेननिसइवने (थस्ना
 दिन भायकृष्टवउदनी वैरुष्टु २ रुल नानार्थन हयकावहन यायाकायाया यायनास (थ

दवदर्शनयाकान रुक निवलाकवास ७८ ॥ श्रीसर्वध्वनमेनीकृष्टुमहागीर्थ यवस कामति यव
 प्रि कदवुमगीर्थ दूयामात्र (थस्नादिन वैरुष्टुवउदनी रुल विरूपय स्नानयाय दवदर्शया
 य अतिरूपवक स० व सर्वयायनास निवलाकवास ॥ ८० ॥ श्रीगमलाकध्वन नूदगीर्थ आगानिर्म
 धव गाहावकृन धावो गुरु ग्रास (थस्नानदिन वैरुष्टु माघगु ६ कार्तिकगु ६ रुलसव
 यायनास मिगुदाहनास अक वत ०० दलाकवास वाक ॥ ८१ ॥ गवदरुस (थस्नानदिन मेषमी
 कानि रुलसर्वयायनास साक्रिमुदानवियायुध सखसंपति रु० व ॥ ८२ ॥ नविक्वाथस मी
 ननूयरुयाव मीनगीर्थ रुन (थस्नानदिन आखाठपुष्टुहादनी रुलसर्वयायनास सखसंपति
 नाक यव माघ कार्तिक वैभखगु ६ अष्टमी नवमी द्वादसी चउदनी पूरु मास कार्ति

मयः अदिवात्र सामवात्र ब्रह्मदात्र ॥ १३ ॥ मागामीर्थे ॥ थस्त्रादिन ॥ चैत्रकृष्णसप्तमी
अमावासिर्हस्तलक्ष्य १० दानयाकाया रुच ॥ १४ ॥ मीनमीर्थे यितुथयान ॥ मागामी ॥ लिनदाका
नाम ॥ नाकाया ॥ मर्कस ॥ खिवा ॥ सास्य ॥ इ ४ खसियाया ॥ सर्वयापनास ॥ विष्णुनाकवास ॥ १५ ॥ श्रीव
उरुवाटश्वत्र ॥ नवलिगामीर्थ ॥ नवग्रामस ॥ थस्त्रादिन ॥ चैत्रकृष्ण ६ ॥ बृहकात्र ॥ महादवन ॥ पाव
मीकने ॥ मननरा ॥ वयागुलिकामना ॥ सिद्धि ॥ पावमीन ॥ वग ॥ द्याना ॥ चन्द्रवाट ॥ व १३ ॥ पाव
मी ॥ लिन ॥ शर्व ॥ रुत ॥ सा ॥ ग १ ॥ दान ॥ विया ॥ पू ॥ सर्वयापनास ॥ निवलाकवास ॥ १६ ॥ अन कि
वददस ॥ थस्त्रादिन ॥ रुद्रपद ॥ रुद्र १२ ॥ पूर्णमासि ॥ रुत ॥ सर्वयापनास ॥ मित्रद ॥ यानास ॥ ०० रुद्र
हि ॥ यिया ॥ मा ॥ व ॥ ०० रुद्र ॥ नाकवास ॥ १७ ॥ मङ्कमीर्थे ॥ थस्त्रादिन ॥ मयस ॥ काकि ॥ वै ॥ व ॥ रुद्र ॥ मासि
रुत ॥ सा ॥ द १ ॥ दान ॥ विया ॥ पू ॥ वग ॥ उ ॥ दान ॥ रु ॥ व ॥ रुद्र ॥ नास ॥ १८ ॥ श्रीज ॥ क ॥ थ ॥ व ॥ न ॥ दी

[illegible]

निरुल मृदाहात जास वय धर्मया चल न सिधु सर्व यापनास निवलाक वास च ॥ १४ ॥
 वदनी सुविदुस स्नानमालख च ॥ १५ ॥ वया पृथुलिस वास सखि ऊथ ॥ १६ ॥
 ग्रीधर्म धर्म तीर्थ च यलि अमय नानि कथयाथा मोक्ष स थन नदिने ऊठे कू मू
 उठे दही रुल कुमनन कामनाया गउ गुलिसिद्धि थन वदनी ऊनक पिधु थय न
 वय धर्म कस पत्र स पिरु माह स्वर्ग वास दुपायो दाने भक्त ऊन चिया दायाप रुक
 स्वर्ग वास वाहात्र मूहिकुन वत्र वाक धीय ॥ १७ ॥ ग्रीजल स नद व हाथि वजल सन
 स थनान दिन अष्ट पूषा मा दही गी कानि स दहा वक्त अवगात्र या दविशक रुल
 सर्व यापनास सात्र क चिदान विया पृथ वे कू वास ॥ १८ ॥ न वलि गस अहि नागीर्थ

ग्रीधर्म धर्म स्नान हाथि कू य गीर्थ वास की याय नास यव न या थलिस थनान दिन चेवु
 केन का दही आवनी पुषा माहि रुल सर्व यापनास स्वर्ग वास वास ऊन माया करव रुन
 नव धरु या रु वयव अति रु निगु सिद्ध ॥ १९ ॥ ग्रीधर्म धर्म वत्र वदनी कू मू गीर्थ रु
 टया कून उान मनमन्दित्र या यंगस थनान दिन वेध सख कू १२ आ वाट रु कू पुषा
 मा रुल वदनी हात या दाया स वयु यमिने थय नाया ग उकि मू कि विवक्त मिखा न
 खन कू मू वदनी वत्र व महाद व या म रु मा सर्व यापनास निवलाक वास सदा ॥ २० ॥
 याप गुय मि पूजा दिन कारि कू वदनी माहि थक कू नव धरु रुल वयु यमि मातिय
 वावा ऊव हात या रुल वदनी हात या स य व महापा न क नास अष्ट म ध या दा या रुल

